

मुख्य

राज

कॉमिक्स
विशेषक

मूल्य 20.00 संख्या 264

नहीं बचेगा नागराज



eComics

नागराज
का एक विशेषक
संस्करण

जब धूपा, लफरत बन जाती है तो इस आग को सिर्फ़ सक ही छोड़ सकती है। अपने दुश्मन का तूना दूसी रुद्र की ताक़ा भी में है, जिस किलव़ा? उसको वाहिन नागराज का रुद्र! जो उसके दिल की ऊंचा बुझ लेके! और जिस किलव़ा दूलिया को पिल्ला-चिल्ला कर बता सके कि...

नहीं बचेगा नागराज

संजय गुप्ता
की पेशकश

कथा:
जॉली चिन्हा.

चित्रः
अनुष्ठान चिन्हा.

कृतिकाः
विनोद कुलारः.

मुख्यरचनाः नागराजः
मुखील या पुष्पः.

सम्पादकः
सहाय गुप्ता.

नागराज जो मेरी जिन्हें गी
का सबसे बड़ा खोजेकर फेल
कर दिया? * मेरी टांसफार-
हेलोट' के जरिए मैं हर देश के
राष्ट्राध्वक की सेसीरी को चुनकर
उसकी अपला तुलास बता सकती
ही! सारी दूलिया चर राज कर
सकती ही! *

लेकिन नागराज ले बिला
बुलान बीच में टपककर मेरी घोजल
मो ही मार लाएँगे! उस उसको
मर लाओगा! ...

* मरजा होगा नागराज
को! और उसको लाएंगा
यह!



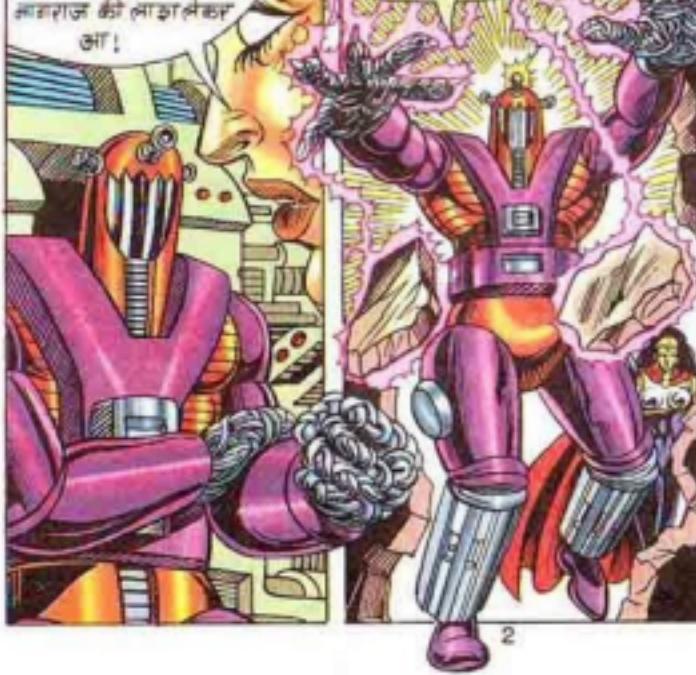
मेरा अब तक का सबसे घानक
आविष्कार ! मेरेंटी भूट ! और
इसको पहुँचेता हूँ, शंकालाद !
जागराज तेरी से सारी साफ करके
मझ पर एक अहमाज किया है ! अब
मैं तेरे विमान में ऊंचे चाहे ही भूमि
सकती हूँ !

पहल हमको और जाकर
खेल 85 दे जागराज को !

करेंटी की बैड्राइव
ड्राइविंगों के आगे जागराज
की सर्व ड्राइविंगों की सिर
झुकाता ही होगा ! जा, और
जागराज की लाजा मेंकर
आ !



लांकेंगा ! ऐकिज बदा
लहीं कर लकता कि साकृत
लांकेंगा या दुकड़ो-दुकड़ो
हैं !



महालग्न हैं- दोनों हैं,
राज ? अब
नक तुल कंधूठर पर लक
फाइल तक लहीं ल्वोल
यार ; सेमे काल कैमे खोल
मैडम तो तुमको लौकरी से
ही लिकास देंगी !



जब से मैंने सले
दाहुपराहुरों की जाह
कंप्यूटर लिया है, जबसे
काख सलाल नहीं नहीं आता
निझा !

नवी बबेगा नागरिक



ओफ़! लड़ाना है, तो सज को बेबूफ़ दिखाने के बदला में कुछ ज्यादा ही लोअ गया। उबल लिफ़ा सर्वत्र क्षेत्र को दिखा दिला तो जानेवाली लहरी!

हमारे ओप्पिजन में एक कंप्यूटर स्क्रीन है! अब उनके पास टाक्स हाथा तो बे तुम्हारो गोज स्क्रीन पर्टी की कोहिंग देती यहाँ आ सकती है!



गज की मिलेस



अौर थोड़ी
देर बाद-

अमेल है ! अब तो कर रहा है कि पहले कुछ
घर जाकर अपनी मिली लैव से स्क्रीनट्रॉफ़िक्ट
तुरन्त इस चिप की टेस्टिंग कार्य कर मिल रहा है।
हूँ ! लेकिन आज जिकड़ी का पहला किरण टेस्टिंग
दृष्टि करने में जबड़ा
है !

बीच
ही-

अब हम काफ़िल बोला
सीखेंगे ! ठीक है, ताज
आकाश !

करने में जबड़ा
है !



अब देखिए ! हे... आरे ! हे...
ये क्या ही रहा है ? काश्यद
कंप्यूटर में कोई काश्यरस घुस
गया है ; वर्ता आकाश में स्क्रीन
की तरह घुसने लगते !



ये काश्यरस नहीं, कुछ
और ही है !



राज कीमित



जैसे हूँ करेंटी! और
नाशाशाज के करीबी समझे
जाने वाले हैं। इस घटना क्रक्षु-
जिके कानून की तवाही में
दैलेंज होती नाशाशाज की।

जैसे हैं इस इमारत के दुकड़े-
दुकड़े करने जा रहा हैं। ठीक बैठे
ही, नाशाशाज के चिर्धड़े-चिर्धड़े
कर दूँगा!



ओक! सक और थैलेजर! ओक
बह भी यहाँ पर! पहले निलंबू को
सुरक्षित स्थान पर पहुँचाल होगा!



ओँ! यहां पर दो लैगा भी
मौजूद हैं। अच्छा है ये लागवाज
को मेरी काकिनियों का आंखों
देखा हाल सुनाएंगे। उग्रते की
को छिपा मत करो!

ओफ!
डूसने तो शाहर
जले का स्फलता
रास्ता रोक लिया।

मिलन के
सामने दैवत-
राज नहीं बल
सकता! और यहां
पर डूस को उक्ता
धोड़ भी नहीं
सकता!

यह क्या कर
रहे हैं राज अंकल? इन्होंना
आप हर के मारे भूल गए
थे। डूस बक्से तूम पद्धीसनी
मंजिल पर हैं!

ओह! मला किया
या ते कि भागाजा मत!
मेरी काकिनियां चाहाल से
देते हैं। अब जागाज यहां
आ गया ते तुड़ देख लेता,
वर्ण ते नागवाज तक
करेंटी की काकिनियों की
कमेंट्री पहुंचाना।

सकृतामना
है!
मिलन, जैचे
कूद जाऊ!

दूसा

मुझे पता है! लेकिन
जागाज की नजर
इस बक्से, हर जगह
हाती है। वह तुम्हों
बचा सकते हैं!

उक्तापे चीजे-
बीजे में भी आ
रहा है।

अंकल!

आओ!

मैं डूससे कुनी बार
की उत्तीर्ण कर रहा
था!

अनले ही पत्त-

अरे ! ये... ये क्या ? ये आदर्शी
तो गधव हो गया ! यासी मेरे
कुनै किंद्रिक झोँक 'ने फूलतो किंसंतुल
कर दिया ; पर ऐसे फूलता फूलता
ताली बार तो नहीं किया था ।

फिलहाल तो मुझकी
कुम्ह सप्तर के टकड़े-
टकड़े करते हैं ।



अब तुम सीधे घर जाओ ! मैं तुम्हारे रज अंकल को बचाने जा रहा हूँ !



करेंटी कड़े आगम
से तबाही मचा सका था-

नुस्खे सिर्फ दूस 'सोकेट
में अपने तार धूमाने के !
और मैश करेट हून तारों
में पहले से बह रही विद्युत
धारा के साथ सिलकर
बोल्टेज को बढ़ा देगा, और
इस इमारत के सारे विद्युत
उपकरण पॉपकॉर्न की तरह
फटने लगेंगे !



और हार्ड बोल्टेज
से तारों में जो ऊआ
ल्होगी कह पलक
झपकते ही पूरी
विद्युत में फैलकर
इस इमारत के सब
का ढेर बजा देगी !



बर्ली नुमेरो दुरुगुला काल रुपजा
पहुंचा! एक बार तकाही कैलाजी
पहुंची! और दूसरी बार तुम्हे
जारने आना पड़ता!

राज कीमिक्स

अब तुम्हे काजे-जाजे की
तकलीफ उठाने की जरूरत नहीं
है! तू यहाँ से सिर्फ जेवताथ
जाओगा!

तू मेरे सामने पहुंच भी नहीं
टिक यासवा लागताज! तुम्हे मैं
रात्र कर दूँगा! रात्र!



आहा फैसला
जा रही है!



मेरी विध शाकियां पता नहीं हैं
पर असर करनी यह नहीं! निकिज
एक इकट्ठे छासको तुरात मेरे काबू
में ला सकती है!



ओक! साम्मोहन
बेअसर रहा! पर
क्यों?

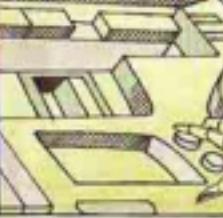
दोंकुलाद उर्फ कर्हदी का
दिमाग मिस किल्लर के बड़ा भौंधा! किर
वह सम्मोहित कैसे होता?

कहीं करोड़ी त्वारी सोल्ट तो नहीं है? अब ऐसा हुआ तो ऐसी भावा शांखिली हुस्स पर असर नहीं करेगी।

अभी थोक करके देख लेता है!



मिस किलर पुरी घटना पर लजर रवें हुई थी-



नागराज, हाथ बढ़ान् हुए हैं!

लेकिन इसकी कलाकृति से कुछ चिन्ह नहीं रहा है!

यानी ये मूर्खमर्प छोड़ रहा है! जो सूटके अन्यर पहुंचकर उसके नाम को काट सकते हैं।



कुलद के मूर्खमर्प से बचाना होगा!



तू मूर्ख पर मूर्खमर्प छोड़ रहा है! मैं सामने गया, लेकिन मेरे सूट में हुई गोलेज के द्वारा क्षमता नहीं है तेरे साथ राजत में बदल जाने दो!

अब मैं इस सूट को तोड़ कर इसके उल्लंघन के बाहर लिकालंगा!



इसकुलाद का आदेश मेजाती है!

इस सूट के उल्लंघन को इन्हाँ नहीं है! बर्ता गोटोट को भेज सांपों से बचाने की ज़मानत ही नहीं पक्की!

हाहाहा! तेरे उल्लंघन से मेरे सूट की नहीं नीद सकते नागराज! लेकिन ...

... जो तेरे बदल को पाउंडर
में बदल सकता है !



लेकिन हुस्त क्लॉक ने मुझे करेट्री
को क्लॉक लिंगारी का हास्ता दिखा
दिया है ! पहले हुन लिंगों को

उसवाहुआ ...



ओह किर - दोलों सरियों का उस
सर्प छारा आपस में संपर्क होते
ही-

करोड़ी के घासीर से निकलती
चिराएँ ये ने पूरे कलावे को
गोशाल कर दिया-

अहा! बैसा ही हुआ, ऐसा
मैं जो सोचा था! करोड़ी के मूट
के सारे सर्किट आपस में झोट
ही गए हैं!



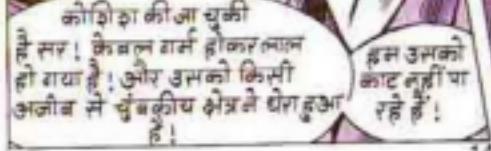
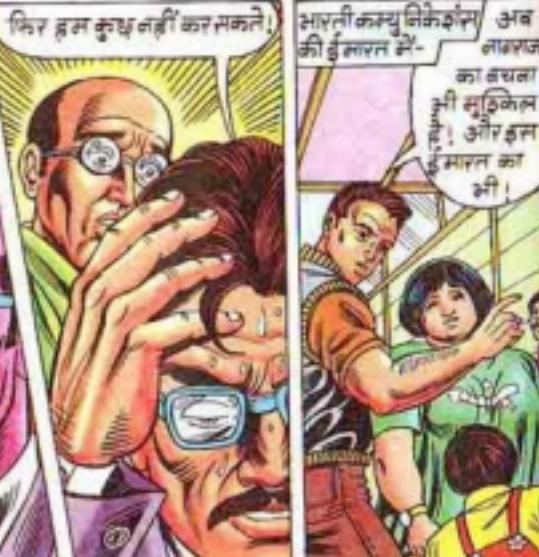
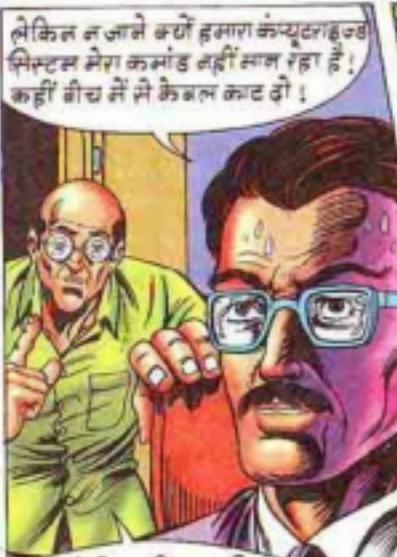
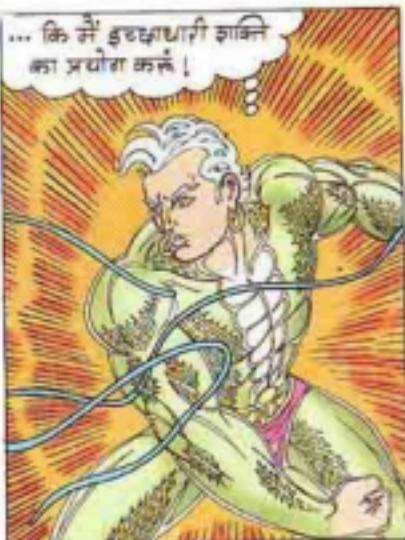
अब देख मेरी
दूसरी दाकिनी!

करोड़ी की सिर्फ़ सक
दाकिनी स्वतन्त्र हुई है! सबसे
करोट बजा सकते ही दाकिनी!

ओह! अब ये
इस इमारत के तारी
में दौड़ती विजली
से करोट को चढ़ाया
रहा है! इसका सप
ओह भी स्वतन्त्रक
हो रहा है!

ओह! जैक 'मेल स्विच' ऑफ
करो! विजली बच्द होने तक उससे
बचाले का सक ही रास्ता है!...

एन कॉमिक्स



नहीं करेगा नागरक

ये ईमारत रात्रि का द्वेरा बल्ले जाती है, मिलनु ! और उस रात्रि ने नागरक जैसे बदल की रात्रि भी छासिल हो गई ! करेंटी लाइ का स्कूल सुपर प्रिलेज पॉवर हाउस से बिजली रही चलकर तबाही फैला रहा है ! और वॉवर हाउस क्लॉक्स का कंप्यूटर इनड मिस्टर्स उनके आदेशों पर काम नहीं कर रहा है ! ऐसे कंप्यूटर एकलपट हाउस भी कुछ नहीं कर पाए रही हैं ! तुम यहाँ से भागो !

स्कूलने पहले मैं पॉवर हाउस के कंप्यूटर इनड मिस्टर्स का कंप्यूटर मिस्टर ! घुसूंगा, उसे देरबांगा कि वह उस आदेश मानता है या नहीं !



लेकिन- ओह ! कोई नहा और उल्लाघुसिक कंप्यूटर प्रोग्राम पॉवर हाउस के कंप्यूटर मिस्टर को मैं आदेश मानते से रोक रहा है ! और मैं उस प्रोग्राम के बारे में कुछ भी समाचार नहीं पा रहा हूँ ! जल्द ये प्रोग्राम बलाजे गाला कोई जीतियाम है ! हास कंप्यूटर चिप को बलाजे बासे जीतियाम की तरह जिसे मैं खरीद कर... ओह !

अंधाजल मिलनु की आंखें चमक उठीं-



स्कूल मिलट, मरनी ! स्कूल मिलट ! मूर्ख भी स्कूल का फोड़ा कर लेजे दी जाए !

ओ० क्लै ! लेकिन जल्दी ! अगले फैसली जा रही है !

ओ०- अब मैं इस चिप के साथ्यम से वॉवर हाउस के कंप्यूटर मिस्टर में घुसूंगा ! छापड़ हुस्तको प्रोग्राम उस अंधाघुसिक प्रोग्राम की काट सकत हो पास !



लागाज, करेंटी से नक्का हारती हुई बाजी स्लद रहा था-



... लागाजीनिया बेकार है! अब सिर्फ इच्छारिक शाकित और इच्छा शाकित का ही नहारा है!

हा हा हा! तुमको मरता हुए से में बढ़ा मजा आ रहा है, लागाज, रुक्योकिन्द्र नुव जलदी नहीं, लालिक तबप- नहपकर लगता चाहता है! अर्थे! ये आगाज कैसी है?

ये आगाज तो... नहीं! ये असंभव है! ये आगाज तो लागाज के कंट्रोल पैदल से आ रही है! उस चिप का अलार्म बज रहा है! जिसमें लागाज की कुंकार की ओसोंी जला दी! घानी उस चिप में असी भी धोड़ी बहुत मेसोंी और ऊर्जा बाकी है! और उसका प्रयोग कोई असी भी कर रहा है!

मुझे इस चिप की मिथि का पता लगाकर हमको इच्छिया करवा ही दोगा: आविष्य ये चिप है किसके पास?

इस सम्बन्ध में दिमाह से जानने के लिए पहुँची अवधारणा

चिप जिसके जान थी! उसकी उंचियां तेजी से कंप्यूटर के की-बोर्ड पर दौड़ रही थीं-





लालराज को लाभते का यह पन्ना उसी फ़ालन मैं धौपट किया है, जिसके पास मेरी कंप्यूटर चिप है; उस चिप मेरा लालराज के विवर की जानकारी भरी है; और लालराज को लालराज की विवेही छानियां ही सारे स्मरणी हैं। कंप्यूटर चिप हाथिल करने से ही उस फ़ालन को मजा भी दे सकती, और लालराज को लाभते की अवशी इच्छा भी पूरी कर सकती! ... लालराज का विवर बता कर!



दूंड उस चिप
को जिस किलर दूंड कि।
वह चिप कहाँ है!

बही चिप तेरी
नृकमात्र
उसमीकि है!

लालराज, करेंटी से लड़ाई जीत सुका धा-



बता, कहाँ पर वर्ण भेरी चिप फुकारे
के नेरी लालकिल तेरी बची नुची याफ़-
जिस किलर! दाढ़ को भी गायब
कर देनी!



रक्ख अज्ञी, लालराज;
इसकी आंखों को देखी,
इसकी आंखों की शून्यस
बता रही है कि दुसरी
याददाढ़ पहुँचे मेरी
गुल है!

इन्हीं जिस भेरा स्मल्हल
ठुक पर असर लहीं कर रहा
था! ओक! जिस किलर का
भेजा हुआ हाथरा हुआ
हाथ मेरी, लेकिल फिर भी
इस उस तक लहीं पहुँचकरो!

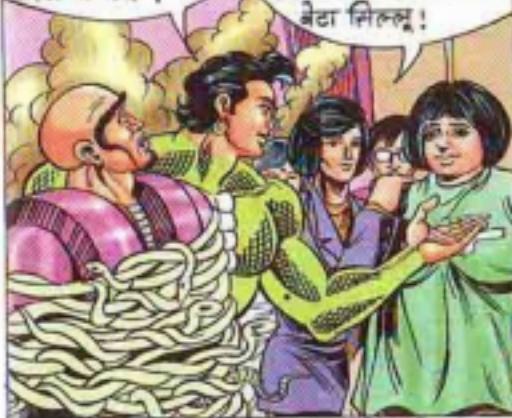
ओर जब
वह वह पकड़ी
नहीं जानवारी,
तब तक वह मुझे
मारने की कोशिश में
बिजाझा फेलाती
रहेगी!

हरै, अपने कर्मचारियों को मेरा धन्यवाद जल्द दे देता। विजाती बन्दु कर के लगेंगी को हराने में भी भी बदल करने के लिए!

जिसले दे किया है, वह आरती कल्याणिकारों का कर्मचारी नहीं है। वह तो उक्त छद्म है। मिसेज सालवाल का दस साल का बेटा मिल्लू!

ओह! पर कैसे?

मैं बनाती हूँ, जागराज! क्लैंटों ने पॉवर हाइड्रेस के कंप्यूटर सिस्टम पर कब्जा कर सका था। वे क्लैंट बदल नहीं कर पा रहे थे। मिसेज मेरे क्लैंट ने अपने प्रोग्राम के असें कंप्यूटर सिस्टम पर कब्जा कर के क्लैंट बदल कर दिया!



चेहरे ऊंफ होते ही वह धर चला गया। वह कह रहा था कि उसको कंप्यूटर पर उक्त बहुत जासूसी काम है!

मुझे आप अपने घर का पता दीजिए। मैं मिल्लू से इसी बजाए लिंकर अपना आशार ब्याज करना चाहता हूँ।



अच्छा! तब तो मुझे उससे लिंकर उसका कुछिलाअंडा करना होगा। वह है कहां पर?

मिल्लू अपनी मिली लैंबे लें व्यापक था-

ओ! उमेजिंग! इस प्रोग्राम का प्रयोग करके मैंने जागराज की जांच की। अब देखता यह है कि इस प्रोग्राम के अन्दर क्या जामकारी भरी है!



अरे! कृष्ण बड़े उत्तीर
अन्याधुनिक प्रोग्राम में सिर्फ
सुक धूटी सी जानकारी भरी
है! किन्तु राजाधिक शिखण का
विषयी वर्णन है? ये असर कोई बहुत
स्वास नहीं होगा! मेरे पास कुल
रसायनों को बनाने की तकनीक सभी
चीजें जौनुर हैं! अभी बनाकर देखता
हूँ कि ये शिखण आविष्कार हैं क्या?
परं ये दो परमेंट अंजल कंपन्यांड
क्या हैं? रवैर इसके बरोबर ही
बंल लूँता!

VX 5.2

ANALYSIS	III 1001.
27%	SULPHONIC ACID
41%	SILVER CYANIDE
17%	MAGNESIUM
06%	SANOLIC GEL
07%	COPPER SULFATE
02%	UNKNOWN

मेरोरी ट्रांसफर थंड ने जागरात की विषयकूकार की मेरोरी को जैसे का तैला ट्रांसफर तो कर दिया
था, लेकिन उसका पूर्ण विवरण कंप्यूटर रुद्र भी नहीं कर पाया था-

जागरात की तो जागरात की मेरोरी
विषयकूकार का शिखण बना रही थी,
इसमें सब वह फुकार हैं जो जागरात
की फुकार जैसी ही थीं! लेकिन
कंप्यूटर द्वारा फुकार बनाने की
कोशिश से जो शिखण बना रहा,
उसका असर क्या होगा, यह कोई
नहीं जानता था-



फिलहाल तो मिलनू की
तरफ़ान के साथ-साथ-

मिस किलर की कृदधा
भी पूरी हो जै गली थी-

ओह! ओह! किस से
सिर्फ़ जान आ रहे हैं! अभी विषय
की स्थिति का यता लगाकर अपने

पहले ये सिर्फ़ जान कहीं
और से आ रहे थे। अब कहीं
और से आ रहे हैं!

फिल्हाल को
मेराती हूँ दिय
जाने के लिए!

...
वास्ते की बड़ी भेजनी, और किस
वह दिय से यस होगी! मिल
गई स्थिति!



नहीं बचेगा नामराज

मिल्स की अपनी ऊफ़ संहराने चाहते का आभास बिल्कुल भी नहीं था-

बस ; दो पत्तों द्वारा उंगल कंपाउंड को छोड़ दिया जाए तो सिर्फ़ एक कंपाउंड और मिलाजा है !... फिर पत्तालगा जापना कि इस चिप में क्या जानकारी भी हुई थी !

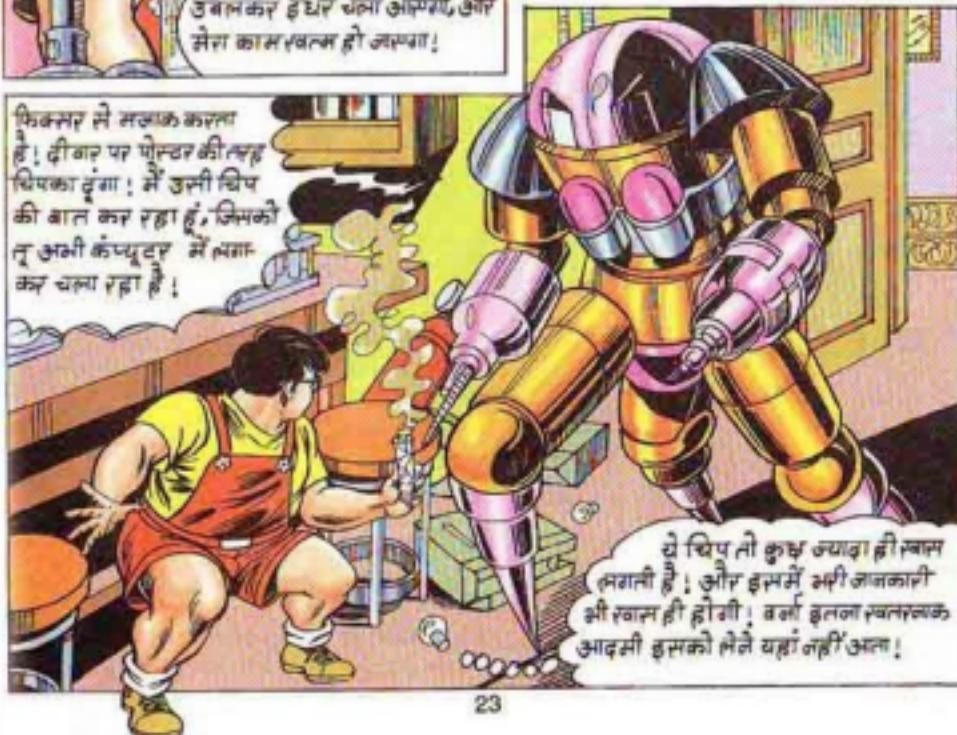


तेरा कास तो मैं

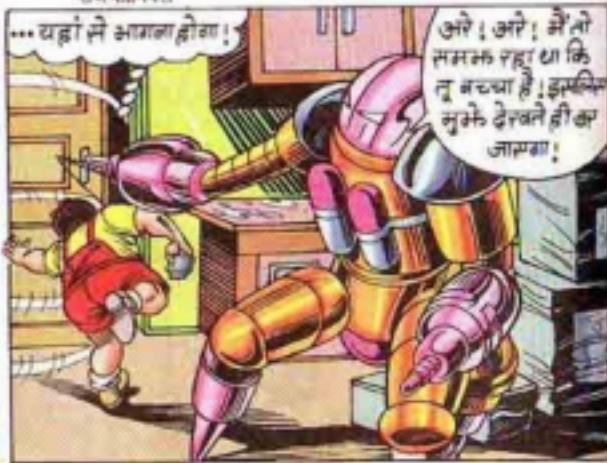
अभी नहरा कर दूँगा
अगर तूने मुझे बह
कंप्यूटर चिप नहीं
दी तो !



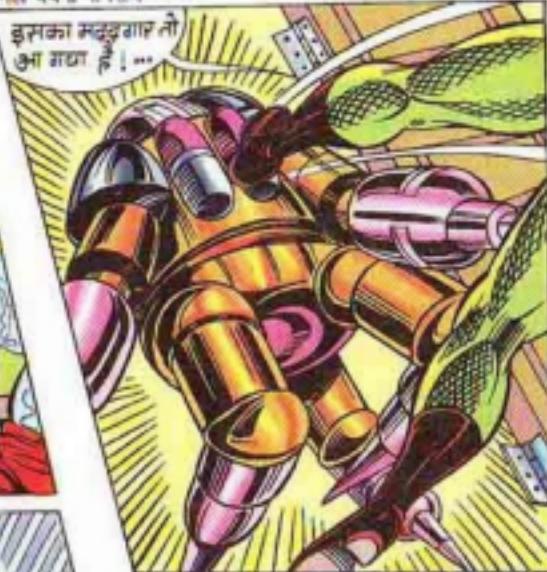
फिरसे से मजाक करता है ! दीवार पर पोस्टर की तरह चिपका दूँगा ! मैं उसी चिप की बात कर रहा हूँ, जिसकी तू अभी कंप्यूटर में भगाकर चला रहा है !



राज वर्षीयकला



जैसी बवेग नागराज



राज कीमिक्स

ये शिप भेदे हाथों से लिंगल जापती !
फिरन्हात जागराज से बचाकर शिप को
जहाँ तो भास्त्राग ! मुझे तबुद जला होगा !
लेकिन अगर मैं जागराज के सामने गढ़
तो वह मुझे पकड़ लिए ; भेदे पास सामने
मैं विहूने लायक डाकियों अभी नहीं
हैं ! लेकिन जला तो होगा ही !



अब मैं जागराज का सामना
करूँगी ! और अगर मेरे बहे
पहुँचने तक फिरन्हात होइ मेरे
रहा तो उसकी मदद से
जागराज को भार भी दूँगी !



जागराज, फिरन्हात की डाकियों को
तो धीरे- धीरे समझ रहा था-

कृत कंप्यूटर शिप यह
कहीरोल लिपटा है, जो इसके पीछे लूटे तू

लेकिन तुलके सामने गाढ़ा-
हो तुरल समझ रहा था !

अगर मैं
इसके ऊपर
तूझी की लिंग घोषणा
मिलाके के ऊपर है (यानी) इसे लिए बड़ी-
तूझी की लिंग घोषणा
आगे आया था !





तबुपला बेकाम है, नागराज़।
अब इस तू ये दैवत जो से
कैसे तेरे हाथ से कंप्यूटर
चिप को ले उड़ा है!

कृष्ण

नागराज ट्रीक्वार से टकराया, उसे-

उन्हें अगले ही पल
हिल के थेड़ के जरीए
कंप्यूटर चिप नगराज
के हाथ से रखीचली
गई-

और उसी पल हिल से
हुआ थेड़ की भर गया-

हा हा हा, नागराज़।
अब तू इस घुटने
से मर रोगा। कठोरि
मेरे ग्वाल ने तेरे
लाक और मुँह को
भी ढक दिया है।
उन्हें इस त्वाल को
तू तोड़ नहीं
सकता।

चलता है! पर
हाँ, तेरी लाज़ पर हार
चढ़ाले बापस लाकर आऊंगा।

लालराज का झारीह चिपचिपे द्वार के स्वीम
में ढककर ढीवार से चिपकना चल गया-

कृष्ण



‘हार’ तो तुम अभी लेने
जाओ, फिरसर !



नहीं बेचा नामराज





मुझे चापचाप यहां से छिपक
लेना हो गया : और साथ ही साथ
खिप को भी 'कोर्स फील्ड' के
अंदर ले लिया हूँ, ताकि जागराज
पिप को देस्कलर मेरी खिपी
का उड़ाकर न लगा पाएँ !

खिप भी गायब हो
गई ! अब मैंक ही
तरीका है तुम अद्विष्ट
धोर की देखने का !

वह भागेगा तो
दृश्याजे की तरफ
ही : खिप कुप्राकृति
पूर्ण में वह स्नाफ
लजर आजाना !



ओह ! यह तो भिस
किलर की आकृति लगती
है ! यहो अद्विष्ट ही हुआ
कि तुम रुठ रुठ स्नाफ आ
गई ! बसी न जाने तुम्हारे
अद्विष्ट का पाता बनाजे के
भिस किलर को किलना
रिट्टा चक्रता !



गिरने से लगे उस झटके ने लिंग किलर की बैल के नारुक पुर्जों को हिला दिया-

ओहः मुझे अद्वृत्य रखने वाले कटोल की दृष्टिंश रवाळ हो गई है। लेकिन यहाँ है कि 'फोर्स-फील्ड' आभी भी मुझे देरे हूँ है!

और जब तक 'फोर्स-फील्ड' का दायम है, तब तक मुझे जाग-राज की किसी भी झक्किन का दर नहीं है!

क्षुक्षुक्षु



पिछली बार तो तू मुझे घोरता फैला आगरक्ष थी। और तेरे धीरे जाने के चक्रज में झंकुलाद भी मेरे हाथ में लिप्त कर भगवा दया था।

लेकिन इन बार तेरा नहीं होगा; मेरी विष झक्किन यांते 'ऊर्जा-कब्जा' को पार राखीं कर सकती, लेकिन मेरी तर्फ रसनी 'ऊर्जा-कब्जा' को जकड़ जाकर सकती है! और 'ऊर्जा-कब्जा' के साथ-साथ तू भी जकड़ राखी जाएगी लिंग किलर!



अब तुम सक सेंकुल की चूमी साधकर डूतजार कर लित...

... तो तुमको इतना ऐसा डायलॉग बोलने की जरूरत ही नहीं पढ़ती, नागराज!

आज से
भी साहसी है
नागराज!

ओहः हम की 'फोर्स-फील्ड' ने अटके भी साहसी है!



राज कीमिक्स

लेकिन किलहाल मैं यहां पर
राक़कर तुम्हे जन से मारने का
खतरा लोल नहीं लूँगी। म्योंकि
मेरे हाथ तेरी जिक्रियत मौत
का तरीका भरा गया है। अब
तू ये सोचकर जीजा कि हर
दिन तेरी जिन्दगी का आसनी
दिल है।



ओ ! शुक्र है भूवान
का कि गोद और गोद
को छोड़ने वाले केटोल
इसी हाथ के अन्दर हैं।
और तुम्हे उनको दंडले
में संस्कृत बोला भी
नहीं पढ़ा !



नहीं बचेगा नागराज

हाँ, ब्रिम किल्लर! अब तू
यह 'फोर्म फिल्ड' के अन्दर
हो या बाहर, तू मेरी शिरपत
में उत्कर्ष दी रहेगी!

आज वह होले के लिए मुझे भैकिन फिर भी नहीं
'फोर्म कील्ट' से बाहर तेरी शिरपत में नहीं
तो आजा ही पढ़ेगा। उदासी!



बर्पी कि अब तू चिघड़ों
में बन्टने काला है! ये
उपेत्ताल 'ब्लास्टर' गल 'तुम्हें
किसी भी रूप में मार सकती
हैं। यह तू स्वास्थ्यरूप में
हो या इच्छापूरी करोंके
रूप में!

इस गल ने तेरी आकृति को पहचान
मिया है! अब ये 'ब्लास्टर' तेरा चीभा
चिघड़ों में बन्टने के बाद ही छोड़ेगी!



लेकिन नागराज उसी स्वतरे से
बाहर नहीं आ पाया था-

तू नागराज में बदलकर भी
नहीं बद्य मरकता, नागराज ! अब
तक ये गल मेरे हाथ में है, तब
जिस तरे मालवरुप को दूर दूरी,
और यह किस्म तरे लालवरुप का पीछा
करेगी ! अब या तो तू नागराज में
मरेगा या लालवरुप में ! जैसी
जीत चाहे, चुल ले !



और उसी बरकत नागराज का
नागरुप कालार्फ पर से हट
गया -



'उर्जा शीष्ट' कुर्जीकरण
को देखता चाला गया -



ओह ! तू
मुझे काटना
चाहता है :
मिल किलर से किर
से कुर्जी करवा
पहल दूकी है !
तरे दात से मेरी
खाल तक नहीं
पहुँच सकती !

ओह ! गल मिल पहुँच ! अब
'लालस्टर' बोल्ट ने भी पीछा
करना छोड़ दिया है !

और इस बोल्ट की बजह
से हार, डॉर्ट स्प्रिंट से जोता
कुर्जी करवा भी लाप्त
हो गया है !



बीकानेर के दृढ़ते ही, बीकानेर में
भरा रहन्हयसय द्रव, गोम के
बादलों में बदलने लगा-

उनीर इस गोम का मुख्य निरामा बीकानेर
के सबसे यास त्वची निस किलार बली-

3 आस्सह! आस्सह!
इस गोम की भड़क
तो तेरी विष फुंकार जैसी है
नागराज ! और... इसका असर
भी बैठा... ही है !



निस किलार सच कह रही
है : यह मेरी विष फुंकार ही
है ! निकिज भेड़ी फुंकार यहाँ
पर बीकानेर में नैसर्ज आगड़ ?
तेर... इस धानक फुंकार से
निलम्बु को बचाना होगा !
क्योंकि यह उपरोक्त आप
तो भासा नहीं सकता !

लेकिन...
ओह, नहीं ! फुंकार निलम्बु तक
पहुंच चुकी है ! निलम्बु, निलम्बु !
अगर तुम होड़ा नैं हो तो सुन्दे
जकड़ दो ! बोलो :

कोइ जगत नहीं ! यानि निलम्बु
बेहोड़ा हो सुका है ! असम-याम
फैली फुंकार को नैं आपले केवड़ी
में र्खिच लेता हूँ ! ताकि बहर से
जाने वकत निलम्बु पर इसका
और असर न हो !



नागराज द्वारा फुंकार, फैफड़ों में र्खिचते
ही -



उसके गले से सक विस्फोट उबत पड़ा-

व त म

और उसको जिल्द ही का
सबसे पीड़ा धारक अनुभव हुआ-

आओ हैं ! ह... हह
क्या हा ? मेरी ही जैनी चुक्का
मेरे छानी में आज विस्फोट
जैसे करा सकती है...

खैर, इस घास के ले उपरोक्त आप
मुझे कमरे से बाहर फेंक दिए हैं !
अब मिल्लू कुछ देर के लिये तुम्हें
हैं ! तब तक मैं मिस किला का
कृष्ण धातक फूकार से बचाना
है... लम्हे द्याया सबला
हैंगा कि अब मैं संस भी
न लूं !



कुछ ही पलों में लालाराज ले उत्तरेव
का कोजा-कोजा छाज लाए ! और-

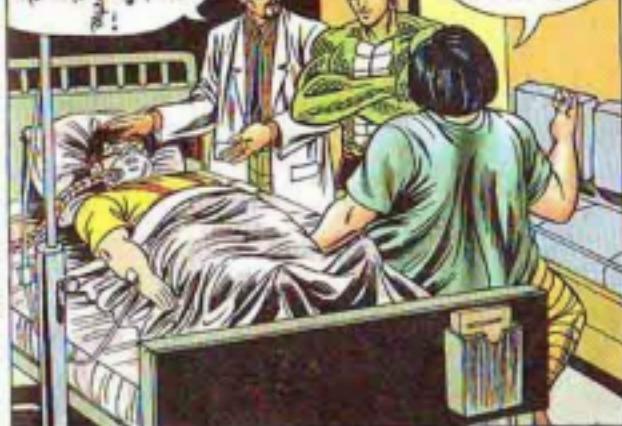
दो दो दीवारों को कुछ तोड़ा लिकाल राम
हैं ! यह तो असंभव है ! उस धातक के धुनें से
हो जा क्यायज सवाना आए फिर दीवार
को तोड़ने क्यायक झाकिन जुटाना
असंभव है ! खैर, पहले मिल्लू
को असंपत्तालम पहचा देता
है ! फिर इस कारी में
गहराई से सोचूंगा !

आसपत्तालम में तुम मिल्लू
को बदल द्या
आओ, लालाराज,



अभी जहरीला धुतारा
कुम्ह के रवृत्त तक नहीं
पहुँचा है! लेकिन ये होड़ा
में काल सके आसना,
पहुँचना मुश्किल
है!

झमकी जाल बच जाएगी, थेंक्यू लर्डाज़!
यह जलना ही बहुत है, अब तुम सिल्लू
को धूम्रधावद करने
न जाने तो कादाद
से हा सिल्लू उजाज़।



बल हो जाकर,
सिल्लू सामगल; सुरे
सिर्फ लक लात
बलाइस, सिल्लू
अपनी लैव में क्या
दीज बल रहा था?
बल रहा था!
यह तो सिल्लू
ही बल सजाना
है!



इसी बलन - राजलगाह
के लक दूसरे हिस्से में-

हाह! थे... थेंक्यू मैडम!
मुझे पता नहीं था कि अपन
मुझे उठाकर दूसरे लोटीक
आग लगानी है! वह भी तब,
जबकि मैं घास से किलो के
सूट के अन्दर हूँ!



मुरें कुछ
समान ले लही अनहा है कि मैं
क्या कर रही हूँ, और क्यों कर
रही हूँ! मेगापियर फटाजारहा
है! ... मुझे तो अपने अद्वैत
का शासन तक याद नहीं
था! इसीलिए तुम्हें उठा-
कर लाजा पढ़ा!



इतनी ताकत
आपमें कहाँ से
आई?

ताकिन्दू
मुझे रासना
बना सके!

देव ! मेरा क्षण हात छला दिया है, मेरे मूनकर चेहरे को बदला दिया है ! मेरे राजाधि के धूम नहीं नहीं ! बला दिया है ! जल कर रहा है कि मेरे रोपन-रोपन में शुभ राघव ! मेरे अपने ही चेहरे को लोध छालूँ !



जो भी आविन्दियाँ हैं, अब उसका प्रयोग सूत लागाज के प्यासे फूल से महानग और महालग्न वानियों की तोड़ने में कार्यकारी ! जिनली तकलीफ उसके मुझे पहुँचाई है, उससे इस गुला तकलीफ में उसको पहुँचाऊँगी !



ओह उसके लागाज ने मुझे तोकने की कोशिश की, तो वह आज उसके चिट्ठे उड़ेगी या मेरे ! हम दोनों में से कोई एक ही बचेगा !



नागराज इस गुन्ही को सुलझा
महीं पा रहा था-

इतने वित्तित क्यों
हो, नागराज? मिस
किलर अगर बच नहीं
होती तो कुरी तरह से
घायल होती! अज नहीं तो
कल बह पकड़ में आई
जाएगी!

अगर मिस किलर
बच नहीं है तो रह है
कहां?

अगर
बह उस सांकेतिक
को अपने साथ ले गई है,
तो उस उसकी बद्र
में कोई खतरा का
हिद्याएँ बह नहीं
होती!

... बल्लव बह
मुझे दें हिद्याएँ
बह चुकी हैं!

तुम्हारी
महेश बाजी
मैं!



नहीं, मास्टर!
या घायल क्षण
दीवार तोड़कर
नहीं जा सकता;
किलर तो घलड
की हालत में भी
नहीं था; उसको
भी उठाकर ले
जाने वाली मिस
किलर घायल
तो कल नहीं
हो सकती!





ये ड्राइविंग सुनके तेरी ही
जहार बाली में मिली हैं नगराज !
तुम अपनी चिना को रुद्र ही लगा
लिया है ! याद है वह बीकर, जिसको
तुम्हें दूढ़ने वाले 'ब्लास्टर बोल्ट' में मेरे
पास तोड़ दिया था ! उसी विशेष धूम ने मेरे
छारीर में घुसकर मेरे छारीर को बदनाम
बदनाम भूमेर दे आसीन ड्राइविंग
प्रदान की है ! ...

... तुम जैसे
जहारीने को जहार से
मरने के लिए !

आश्चर्य !

उस धूम से छुलको हुनरी
ड्राइविंग के में मिल गई ? वह
जहारीला धुर्जाती स्क्रिडम मेरी
फुकार जैसा था ! मैं उसको
एह चालने में गलती कर ही नहीं
सकता !

फुकार

लेकिन हुनरी
फुकार की जब
मैं पीने की कोशिश
करूँ या उत्पत्ती
फुकार से काटने
की कोशिश करूँ
तो घमाला बटों
हो जाता है ?

विजय



चत्ता कक्ष



बेहिनाब धनाके होते से
झारी के अलदग ! उसे तेल
झारी हवा मने गुबक्कों की
नश्ह फट पड़ेगा !

555555

झुचापासी झाक्किं का
प्रयोग करना होगा !

आओह !

ए हैं लोक ?
कौनसे द्याज के लिए लक्ष्य अपना ?
आओह ! सारी जले करती
सी महसूस हो रही हैं !

तमी-

बाह, मैठन !
मुझे पता नहीं था
कि उप किचन के
चाकू से इतना अच्छा
लि झाना लगा लिनी
है !

खूब

कृष्ण

नहीं करेगा नागराज



सही समझा तू नागराज ! मैं उसका अपहरण करके ले जाऊँगी, और उससे जहरीले मिथ्रण का पौर्णता पतल करूँगी। किसे मेरे पास अपनी जहरीली सेवा होगी नागराज ! और किस इस दुलिया पर राज होगा मिस किलंब का !

नागराज
नेजी से एक दिक्षा
में बद्ध चला-

सुनके निम किलंब से पहले अस्पताल पहुँचना होगा ! मिलन्स आज निम किलंब के हाथ लगा गया तो मुझे उसकी छाक्ति की कूट करनी नहीं मिलेगी ! और वह सचमुच दुलिया को अपने कब्जे में कर लेगी !

स्त्री धीरी-

बाहर में
पहले पहुँच गया !

निम किलंब अभी तक यहाँ पहुँच नहीं पाए है !

नागराज !
मिलन्स को अभी तक होकू नहीं
आया है !



कोई आन नहीं !
किम्भाल हमको
इसे किसी सुरक्षित
स्थान पर ले जाना
होगा !

इसा कभी
नहीं होगा, मिस
किलंब ! तुमें मिलन्स
करनी नहीं मिलेगा !
कर्तवी नहीं !

अब
इसके लिए कोई
भी स्थान नहीं दिया नहीं
है, नागराज !

मिस
किलंब !
आविष्ट नू
धहांतक पहुँच
ही गई !



ये कहुँ दूर्वालों का मिला जुला
चूर्ण है, मिस किलर! तुम्हें यह
मेरा जहर न सही, हुलमें से भक्ष
द बाई तो आस नहरी ही
करेगी!

मिस किलर लहूमधु गाई-



और उसके संभलने से पहले-

चलो! तुम्हारे जिस
जैल का राजा महाराजा
इतजास कर रहा
है!

उसमेंका!



मिस किलर सक ताके लगकी-

छत अमरत्याक्षिण घटा से
लालराज संभल भी नहीं
पाया था-

कि उसको सक दस्ता
महाट का आ लगा-



और समिड़ का
महाटा उसको
मिशी गाया-

सर्जिकल टेप के बंधन
गलते चले गए-

लालराज ने उसको सर्जिकल टेप से जड़ दिया-

अब तू किसी
शाकी का प्रयोग
नहीं कर पाएंगी,
मिस किलर।



तोरा नहीं
रख सकी गया
है!

दूँफ बंधों
से छुट नहीं
सकती!





ओर आगमे ही जग, स्टोरम क्लूम
आग की लपटों से घमकते भगा-

तो उलझे बचा
ते, नाराज़ !



ગતાંત્રો નિલલું ! મેરી ‘હિપ્પોટાઇક સહીન
તુમકો રીડ મૈં હી સચાઈ કોણે કા લાંબાં
કર દેરા ! ગતાંત્રો, તમ રહાન્યનથ લંઘ્યુટર
ચિપ મેં કણ ફોર્મલા ભરા છા . કોણોસ્સ
કોણોસ્સ ની ૪૪ ૫૫૫૫૫૫



लागाज ! तू... तू घहाँतक
मी पहुँच गया ! केसे ? नवे
तो मेरा धीक्षा मी नहीं किया
था !

ज्यादा तीव्रतर दिग्भां को
तकलीफ मन दी जिस तिलात
दुम्हारी भलाई हसी में है जि
दुम अपने- आपको कानून
के बावजूद कर दी।



भूमाला है कि तू मुझे पैदली छाकियो
आरे मैं भूल गया
लागाज !

ਜੇ ਮੂਲਾ ਨਹੀਂ !
ਲੇਕਿਨ ਤ੍ਰਯੋ ਮੌਜੂਦ
ਹੀ ਹੈ ਜਿਸ ਕਿਸੇ ਸੁ
ਕੀ ਧਾਰਾ ਵਿਖੇ ਨਹੀਂ
ਹੋਣੇ ਸੇ ਤੇਜ਼ੀ ਵਿਖੇ
ਤਬਾਹ ਹੋਗੇ !





राज कल्पनिकम्

ये विस्फोट तेरे दिखते उड़ा देंगे ! ऐसिजन
में तेरी मात्री आंखों के नामजे ही भिस्फू
में वह फौर्मूला तुवालवा भी रुकी, और
वह शिक्षण भी तेयाह कर लूँगी ! लप्ट
होते होते भी सेही 'हिप्पोस्टाइक-
मशीन' ने भिस्फूले के दिमाग पर कुतना
असर तो कर ही दिया है कि वह सुने
लिअण का फौर्मूला बता दे !





राज की गिरावट



आओह हूँ ! आओह हूँ !
इतना भीषण ताप ! मेरी
मणि भी कुस ताप की लप्ट है
नहीं कर पा रही है ! उस विषेशे
धुरे ने मिस किसर को ...
आओह हूँ ... जीवन किसे
दे दी है !

जागू को पुरी तरह से कोखला
बलने से मिक्के उसकी मणिकिनि
ने ही चाया था-

लेकिन जागू के होड़ को गुम होने से
न्हीं नहीं चाया पाया-

अब जारी नागराज की दी-

आओह हूँ ! उसकी दीय
पीड़ा हो रही है ! इस
जीवन से भीषण ताप
मिकालकर सारे जातीय
को खुलासा रहा है !

कुदालाधारी जाति
को कुलाने के लिए द्यान
तक के द्वित जारी
मुकिताम ही रहा है !
अब तो सब

ही यमतकार का अमरा है !
और वह ये कि मिलतु हाता
में आकर नुमोह कुस जहार के
बारे में जजकारी दे दें

दृढ़ कुदालाधारी बाले-

यमतकारों को भी होने पर लजवाका देते हैं ! अस्फाल में-

आओह हूँ ! नुमोह
यहां पर क्या
नागराज अंकल
से कर आग दी
मर्दी ?

मिलतु !
तू होड़ में आ-
राया ?

कैसा लग
रहा है ?

स्क्रिम फास्ट
करायम मर्दी !

तीनुसन्तक का लाभ
लो ! इस कंप्यूटर या
वह सारी जालकारी टक्कर
करो, जो तुम्हें उस
मिथ्या के गारे में पाना
हैं ! जिसे तुम अपनी
लैड ले बजा रहे थे !

नागराज का
बाले के लिए !

(लेकिन... लालाज तो
यहाँ है ताहीं! वह
देखेंगे क्या?

कुन सोच की अंगड़ी में यह
सोच भी देखेगा, वह मालिक
संकेत तो छार लालाज तक पहुंचा
देगा!



मता लहीं लालाज की मालिक संकेत
मिलजे तक जिलदा रहता भी था या लहीं-

आहाह!

उत्तर का सवा

पात्री नृवत्सा जा रहा
है... इस बंधु से
छुट पाल नृष्णकम
है!

ओह! मालिक
संकेत आ रहे हैं!
मिलनू जालकारी
ठेज रहा है! हाँ...
हाँ...



...ओह! समझ गया! मिलनू वह दो प्रतिशत तत्त्व
को संकेत जहर की जालकारी से जहर पर नियंत्रण
लालाज की कंप्यूटर चिप रखता है। और वह तत्त्व
में जिली है। और दो से और दो से सर्पों के जहर में
प्रतिशत अंजाज तत्त्व संजूद है। कुम तत्त्व की मिस
के अलावा मैं मेरा जहर किलर के डारीर में जौबूद
चिप्पोटक हो गया है। चिप्पे में निलाला उसे
और उसमें थे तत्त्वलक
आकिन्यों चेता करते की
इसने भी आ गई

होगा!

... बर्नी से जहर का अंजाज तत्त्व किस
किलर के जहर से भिन्न है, और मिस
किलर के डारीर में सेरा पूर्ण अमर
बाला चिप तैयार होकर इसके
डारीर को गला देगा!



सिर्फ कुछ सारोंपों के लिए किताब !
लेकिन यह तुम्हारी जीत नहीं,
हार की झुकावात है ! क्योंकि
ये धमाके बाटव मैं तुम्हारी लिंगेवी
आजीन जट होने के सकेन हैं ! मेरा
विष तुम्हारे विष की घासक धमना
को नष्ट करके उपरे जैसा बला
रहा है !



आओ ! सच्चाच ! मेरी...
मेरी शक्ति किसे से पहले
जैसी हो रही है ? यानी विष
नष्ट हो रहा है ! ही अबू,
नाशराज ! दीक्षु !

तुम मुझे कोनसे के क्षण
धम्याद दे रही हो ! तुम्हारा
मक्षसद तो नुस्खे मारना
था !

तुमको तो मैं किस करनी
भी मार नहीं ! लेकिन सच्च
स्त्री के लिए उसके सब से
बदक्ष कुछ नहीं होता !
तुमने मेरा सब मुझे—अङ्क...
वापस लिया था है ! इसके...
लिए... धम्याद ...
आह !



इसका जहर तो उत्तर गया !
लेकिन जहर के प्रभाव से दो बेहोड़ा
भी हो गई हैं ! इसको पुलिम स्टेशन
में जाने के साथ-साथ मैं भी
आशिकार मिलने को धम्याद
मैं नहीं दूँ !



औस-जाहाराज का बहु अलोचा धम्याद
मिलने को मिल गया—



तुमना स्वृत सूरत धम्याद मैं जाने
के लिए धम्याद, नाशराज उँकला !